38वां दीक्षांत समारोह 1
हीरक जयंती व्याख्यान 2
DEI और CSIR के बीच अनुबंध MoU पर हस्ताक्षर 2
71वां गणतंत्र दिवस 3
स्थापना दिवस 4
अनुसंधान मेला (रिसर्च फेयर) 4
शिक्षा दिवस 5
वार्षिक नाट्य महोत्सव–2020 6
विज्ञान दिवस समारोह 6
फिट इण्डिया मूवमेंट 7
लोहड़ी आनंदोत्सव 7
कला संकाय 7
विज्ञान संकाय 8
वाणिज्य संकाय 8
शिक्षा संकाय 8

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

जनवरी–मार्च 2020
अंक 18

38वां दीक्षांत समारोह

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान का 38वां दीक्षांत समारोह 18 जनवरी 2020 को पूर्ण सम्मान के साथ आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम परम सम्माननीय प्रोफेसर पी. एस. सत्संगी साहब, अध्यक्ष सलाहकार समिति डी.ई.आई. एवं सम्माननीय रानी साहिबा की गौरवमयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर माननीय श्री अजय प्रकाश साहनी (आई.ए.एस.) सचिव, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने दीक्षांत सभागार में विभिन्न संकायों के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए विविधतापूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखा और मंत्र मुग्ध करने वाले मानसरोवर उद्यान में आयोजित दोपहर के भोजन का आनंद लिया । वे डी.ई.आई. के बहुमुखी प्रतिभा संपन्न छात्रों से अभिभूत थे।

दीक्षान्त समारोह के आरंभ में मुख्य अतिथि एवं अन्य सदस्यों ने अपना स्थान ग्रहण किया, तत्पश्चात दीक्षांत समारोह का प्रारंभ संस्थान प्रार्थना के साथ हुआ। प्रोफेसर प्रेम कुमार कालड़ा, निदेशक डी.ई.आई. ने विधिवत् रूप से प्रेसिडेंट श्री प्रेम प्रशांत जी से दीक्षांत समारोह प्रारंभ करने की अनुमति ली। प्रोफेसर कालड़ा ने गत वर्ष की विस्तृत आख्या प्रस्तुत की, जिसमें संस्थान की उपलब्धियों, विकास और प्रगति के साथ–साथ अभिनव परिवर्तनों पर प्रकाश डाला गया।

माननीय निदेशक द्वारा विभिन्न स्तरों पर अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को डायरेक्टर मेडल प्रदान किए गए। इस वर्ष के दीक्षांत समारोह में कुल 110 डायरेक्टर मेडल प्रदान किए गए और 61 छात्र–छात्राओं को विद्यावाचस्पति (पी–एच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई। पंकज चौधरी और कल्याणी गुप्ता को क्रमशः सभी स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उच्चतम ग्रेड बिंदु प्राप्त करने के लिए प्रेसिडेंट मेडल से सम्मानित किया गया। रितिका स्वरूप को सभी स्नातक डिग्री धारक छात्र–छात्राओं के मध्य सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए फाउंडर्स मेडल दिया गया। मुख्य अतिथि ने सभी पूर्व छात्र–छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

मुख्य अतिथि श्री साहनी के द्वारा संस्थान के पूर्व छात्र श्री पी.पी. मेहता को प्रतिष्ठित एल्यूमनाई अवार्ड प्रदान किया गया। प्रेसिडेंट प्रेम प्रशांत जी के द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए उन्हें दीक्षान्त भाषण हेतु आमंत्रित किया गया। श्री साहनी जी ने अपने प्रभावी वक्तव्य में भारत के परिदृश्य में आई.टी. के विभिन्न आयामों पर विचार व्यक्त किए, उनका दीक्षान्त भाषण छात्रों के लिए अत्यंत प्रेरणास्पद था। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही दीक्षांत समारोह की समाप्ति हुई।

हीरक जयंती व्याख्यान

डी.ई.आई. हीरक जयंती स्मृति व्याख्यान के अंतर्गत प्रो. स्पेंट रुस्तम वाडिया ने 29 फरवरी, 2020 को डी.ई.आई. के दीक्षान्त सभागार में अपना एक सारगर्भित और महत्त्वपूर्ण व्याख्यान दिया। प्रो. वाडिया एक प्रसिद्ध सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी हैं, जिन्होंने विज्ञान के स्ट्रिंग और क्वांटम सिद्धांत में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रो. वाडिया 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज' बेंगलुरु के संस्थापक निदेशक रहें हैं, साथ ही मुंबई के 'टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च' में विशिष्ट प्रोफेसर के रूप में कार्य किया है। वे 'भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी', 'नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज़' आदि में फेलो हैं। प्रो. रुस्तम वाडिया को कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है, जैसे–टी.डब्ल्यू.ए. एस. (द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज, ट्राइस्टे, इटली) 'फिज़िक्स' पुरस्कार 2004 और सन 1995 में 'स्टीवन वेनबर्ग' पुरस्कार आई.सी.टी.पी. (इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल फिज़िक्स, ट्रइस्टे, इटली)।

प्रो. वाडिया के व्याख्यान का विषय 'ब्लैक होल्स : बीकन्स इन आवर सर्च फॉर ए क्वान्टम थ्योरी ऑफ स्पेस–टाइम एण्ड ग्रेविटी' था।

यह व्याख्यान न्यूटेनयन भौतिकी में अंतरिक्ष, समय और गुरुत्वाकर्षण के हमारे विचारों के विकास और आइंस्टीन के सापेक्षतावाद के 'विशेष' और 'सामान्य' सिद्धांतों द्वारा उनके मौलिक संशोधन के बारे में परिचय कराता है।

क्वांटम सिद्धांत के द्वारा एक गहरा परिवर्तन हुआ। ब्लैक होल आइंस्टीन के समीकरणों के समाधान हैं और यह प्रकृति में पहले से ही मौजूद हैं। आइंस्टीन अंतरिक्ष में समय की क्वांटम संरचना का अध्ययन और खोज करने के लिए एक आदर्श प्रयोगशाला बनाते हैं।

आइंस्टीन के पश्चात 'ब्लैक होल्स' पर हॉकिन्स द्वारा किये गए नए रिसर्च कार्य क्वांटम यांत्रिकी के नियमों में एक विरोधाभास को दर्शाता हैं, जिसे ''सूचना विरोधाभास'' कहा जाता है। इसे बाद के भौतिकविदों ने 45 वर्षों में 'स्ट्रिंग थ्योरी' में नई वस्तुओं और गहरी संरचनाओं की खोज की जो इस विरोधाभास को सुलझाने में लगे हैं।

अत्यंत रोचक विषय पर प्रस्तुत किया गया यह व्याख्यान सभी श्रोताओं द्वारा सराहा गया। परमगुरू हुजूर प्रो. प्रेम सरन सत्संगी साहब, एमेरिटस चेयरमैन, शिक्षा सलाहकार समिति, दयालबाग़ शैक्षिणिक संस्थान की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम का शोभावर्द्धन किया, उन्होंने इस व्याख्यान के प्रभावपूर्ण विश्लेषण के साथ यह सुझाव भी दिया कि स्ट्रिंग सिद्धांत को 10 से 14 आयाम तक बढ़ाया जा सकता है।

दिनांक 27 फरवरी से 2 मार्च, 2020 तक प्रो. वाडिया और उनकी पत्नी डॉ. लीना वाडिया ने डी.ई.आई. का दौरा किया। व्यावसायिक कार्यक्रमों के साथ उन्होंने डी.ई.आई. की शैक्षिक गतिविधियों में विशेष और गहन रुचि ली। वे डी.ई.आई. द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों, जैसे–आई.सी.एन.सी.टॉल, बाल शिक्षा केंद्र (नगला हवेली), प्रेम विद्यालय अटल टिंकरिंग लैब और संस्थान की कई अन्य प्रयोगशालाओं के दौरे पर गए। वे विशेष रूप से डी.ई.आई. द्वारा चलाये जा रहे मुफ्त चिकित्सा शिविर से बेहद प्रभावित हुए।

डी.ई.आई. और सी.एस.आई.आर. के बीच अनुबंध एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी), दयालबाग़, आगरा और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिको–लॉजी रिसर्च (सी.एस.आई.आर.), लखनऊ ने 17 फरवरी, 2020 को डी.ई.आई. में एक अनुबंध (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि के अवसर पर उपस्थित परम श्रद्धेय हुज़ूर प्रो. प्रेम सरन सत्संगी साहब, अध्यक्ष, शिक्षा सलाहकार समिति ने इस संयुक्त समझौते की सराहना की और 'दयालबाग़ साइंस ऑफ कॉन्शियसनेस' एवं 'दयालबाग़– जीवन

पद्धति' के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। प्रो. पी.के. कालड़ा, निदेशक 'दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट' और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च, सी.एस.आई.आर.–आई. आई.टी.आर. के निदेशक प्रो. आलोक धवन ने संयुक्त रूप से इस अनुबंध के मसौदे पर हस्ताक्षर किए उन्होंने कहा कि हम स्थानीय समस्याओं पर अन्तर्राष्ट्रीय समाधान के लिए संयुक्त अनुसंधान का प्रस्ताव तैयार करने पर काम करेंगे। इस अवसर पर श्री प्रेम प्रशांत, अध्यक्ष, डी.ई.आई., प्रो. वी.बी. गुप्ता, प्रो. विभा रानी सत्संगी, डीन, विज्ञान संकाय, प्रो. साहब दास, रसायन विभाग प्रमुख भी उपस्थित रहे। सी.एस.आई.आर.–आई.आई.टी.आर. के प्रतिनिधिमंडल में डॉ. के.सी. खुल्बे, 'रिसर्च प्लानिंग एंड बिज़नेस डेवलपमेंट डिवीज़न' और डॉ. आर. पार्थसारथी, प्रमुख वैज्ञानिक, 'सेंटर फॉर इनोवेशन एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च' मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एम.ओ.यू. के प्रावधानों के अंतर्गत डी.ई.आई. और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च के तहत अनुसंधान, इंटर्नशिप, प्रशिक्षण कार्यक्रम और सामान्य हित के अन्य कार्यक्रमों में पारस्परिक सहयोग करेंगे।

डी.ई.आई. में 71वां गणतंत्र दिवस

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में 71 वां गणतंत्र दिवस सदैव की ही भांति पूर्ण उत्साह से मनाया गया। छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों के द्वारा विभिन्न वस्तुओं आविष्कारों और प्रभावों को प्रदर्शित करने के लिए स्टाल लगाए गए। परिसर में चिकित्सा शिविर भी लगाया गया, जिसमें चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क सेवाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर माननीय श्री विभूति नारायण राय आई.पी.एस., पूर्व कुलपति महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा मुख्य अतिथि थे। परम्परानुसार राष्ट्रगान के साथ गणतंत्र दिवस प्रारंभ हुआ। उपस्थित सभी अतिथियों और आगन्तुकों के द्वारा स्वतंत्रता और शांति की खुशी को व्यक्त किया गया। एन.सी.सी. कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, स्कूलों के छात्र–छात्राओं द्वारा पूर्ण उत्साह से मार्च पास्ट प्रस्तुत की गई जिसे दर्शकों से अत्यंत प्रशंसा प्राप्त हुई। मुख्य अतिथि ने एथलेटिक्स स्पर्धाओं के विजेताओं और

मार्चपास्ट की सराहना की और अपने उद्‌बोधन में कहा कि युवाओं को संविधान के आदर्शों को धारण करना चाहिए। प्रोफेसर पी.के कालड़ा निदेशक, डी.ई.आई. ने छात्र–छात्राओं, शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों को उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें प्रेरित किया कि वे अच्छे नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभा सके। इस अवसर पर कला संकाय की छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. निशीथ गौड़ एवं डॉ. कविता रायज़ादा ने किया और सभी सम्मानित अतिथिगणों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नंदिनी रघुवंशी ने किया।

स्थापना दिवस

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान द्वारा प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाने वाला बहुप्रतीक्षित स्थापना दिवस 31 जनवरी को दयालबाग़ के सभी शैक्षणिक संकायों एवं विद्यालयों के द्वारा धूमधाम से मनाया गया। डी.ई.आई. के शिक्षकों एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों और छात्रों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के सामर्थ्य प्रदर्शन, उनकी मौलिक नवीन चिंतन शक्ति, सृजनात्मकता को दिखाने के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों प्रोजेक्ट आदि का उपयुक्त प्रदर्शन किया। मुख्य परिसर में विद्वानों की आभा के साथ–साथ छात्रों के परिजनों आदि की चहल–पहल से डी.ई.आई. का हरेक कोना जीवन्त हो गया। प्रत्येक वर्ष मनाये जाने वाले इस महोत्सव में शैक्षिक, खेल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां छात्रों में रचनात्मक तत्त्व और मनोरंजन की प्रभावशाली झलक प्रस्तुत करती हैं।

छात्रों को अर्न व्हाइल यू लर्न कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान किया गया जिससे वे अपने द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प लेखों के साथ स्वस्थ खाद्य पदार्थों का प्रदर्शन भी कर सकें। डी.ई.आई. की शिक्षा शैली और विभिन्न सुविधाओं के बारे में अवगत कराने के लिए सभी विभाग और प्रयोगशालाएं भी सभी के लिए खोले गए। इस अवसर पर शिक्षकों और छात्रों द्वारा भक्ति संगीत के आयोजन ने यह सुनिश्चित किया कि आध्यात्मिक शुद्धता और नैतिक मूल्य की भावना मानसिक विकास में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती है जो कि प्रारंभ से ही डी.ई.आई. की शिक्षा नीति के मूल में है। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण विभिन्न प्रकार के स्टाल थे, छात्रों में आत्मनिर्भरता के बीज अंकुरण करने का यह एक सहज साधन हैं, जहाँ छात्रों का उत्साह चरम पर दिखाई देता है। इस भव्य प्रदर्शनी में संस्थान के विभिन्न संकाय, स्कूल, कॉलेज, डी.ई.आई. के सूचना केंद्र और आई.सी.टी. के 25 केंद्र शामिल थे। विश्व की विभिन्न समस्याओं के लिए व्यावहारिक समाधान में प्रतिभागिता हेतु पारंपरिक हस्तशिल्प कौशल और वस्तुओं से लेकर अत्यधिक नवीन भविष्य में काम आने वाले मॉडल, विस्तारित मॉडल आदि प्रदर्शित किए गए और संध्याकाल में रंगीन प्रकाश व्यवस्था के साथ स्थापना दिवस की समाप्ति पूर्ण हर्षोल्लास के साथ हुई।

अनुसंधान मेला (रिसर्च फेयर)

अनुसंधान गतिविधि को सुचारू करने के निमित्त दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में 11 जनवरी 2020 को अनुसंधान मेले का आयोजन किया गया। संस्थान के लगभग 385 शोधार्थियों ने अपने–अपने शोध से संबंधित पोस्टर आदि माध्यमों से प्रतिभागिता की । शोध संबंधी अभिरुचियों को प्रेरित करने हेतु आयोजित इस अनुसंधान मेले का उद्घाटन निदेशक प्रो. पी. के. कालड़ा के द्वारा किया गया। मेले के प्रथम चरण में केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ से प्रो. रमाशंकर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में संस्थान के निदेशक प्रो. पी.के कालड़ा, कुलसचिव प्रो. आनंद मोहन कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, आदि ने शोध संबंधित इस मेले का निरीक्षण किया एवं छात्रों को शोधकार्य

हेतु प्रोत्साहित किया। द्वितीय चरण में उपस्थित विद्वानों ने अनुसंधान से संबंधित नवीन उभरते हुए मुद्दों पर चर्चा की प्रो. पी.के शर्मा पूर्वकुलपति कोटा विश्वविद्यालय ने शोध में सम्मिलित नैतिक मुद्दों पर बात की और मूलतः शोध गुणवत्ता की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. नावेद खान प्रबंधन संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने अनुसंधान प्रक्रिया पर विचार करते हुए शोधकार्य को सरल बनाने के मूल्यवान सुझाव दिए। प्रो. के. आर्य आई.आई.आई.टी.एम ने शोध पर्यवेक्षक की भूमिका पर विचार किया और शोध हेतु विभिन्न वित्तीय स्रोतों की भी चर्चा की। विद्वानों के इस समूह के द्वारा शोधार्थियों के प्रश्नों और जिज्ञासाओं को भी सम्यक् निदान प्राप्त हुआ। आयोजन समिति की ओर से प्रो. वी.के. गंगल ने सभी उपस्थित विद्वज्जनों का स्वागत किया। प्रो. एस. के. शर्मा ने उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। अनुसंधान मेले के रूप में संस्थान के सभी शोध समन्वयकों के द्वारा आयोजित इस आयोजन की महत्ता को प्रकाशित करते हुए शोध की दिशा में एक सार्थक कार्य के रूप में सराहना की गई।

शिक्षा दिवस

डी.ई.आई में दिनांक 1 जनवरी 2020 शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया । दयालबाग़ के मनोहर मानसरोवर उद्यान में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, भांति–भांति की सामग्रियों की प्रदर्शनियों और भक्तिमय वातावरण के बीच शिक्षा दिवस का आरंभ किया गया। डी.ई.आई. के समस्त संकायों और विद्यालय, महाविद्यालय के छात्रों ने घनी ओस से भरी भोर में अपनी सहज सुन्दर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। शिक्षा के निमित्त होने वाली गतिविधियों और कार्यों को प्रदर्शिनी के रूप में सबके सम्मुख प्रस्तुत किया गया। छात्रों द्वारा ही बनाए गए विभिन्न भोज्य पदार्थों ने इस दिन को पूर्ण उत्सव का रूप प्रदान किया।

वार्षिक नाट्य महोत्सव–2020

डी.ई.आई. का वार्षिक नाट्य समारोह संस्थान के दीक्षान्त सभागार में 24–26 फरवरी, 2020 तक आयोजित किया गया था। इस वर्ष यह कार्यक्रम एक नए रूप में आयोजित किया गया था। यह संयुक्त रूप से कला संकाय के अंग्रेजी–हिंदी और संस्कृत तीनों विभागों द्वारा आयोजित किया गया। एक ही बैनर के तहत एक ही समय में अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत भाषाओं में यह नाट्य प्रतियोगिता संपन्न करायी गई। दर्शकों ने नाट्य उत्सव के तीन दिनों में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस महत्त्वपूर्ण दृश्य अभिव्यक्ति का आनंद लिया। नाटक प्रेमियों ने प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं के सार्थक और बेहतरीन अभिनय को सराहा। तीनों भाषाओं में नाटकों को प्रोत्साहित करने के लिए, प्रत्येक भाषा की प्रस्तुति को अलग से आंका गया था। इस तरह के आयोजन का उद्देश्य छात्र–छात्राओं को अभिनय, संगीत और मंचन के क्षेत्र में अपने रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना है और उनके प्रबंधन कौशल को बढ़ाने के लिए एक पर्याप्त मंच प्रदान करना है। इस आयोजन की सफलता ने साबित कर दिया कि सच्ची कलात्मक प्रस्तुति को कभी भी भाषा की सीमाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता है।

इस आयोजन में कुल सत्रह नाटकों क्रमशः–अंग्रेजी भाषा के पांच, हिंदी भाषा के आठ और संस्कृत भाषा के चार नाटकों का मंचन किया गया। अंग्रेजी भाषा में सर्वश्रेष्ठ नाट्य प्रस्तुति का पुरस्कार सेंट जॉन्स कॉलेज को एवं हिन्दी की सर्वश्रेष्ठ नाट्य प्रस्तुति के लिए अभियांत्रिकी संकाय को पुरस्कृत किया गया। संस्कृत की सर्वश्रेष्ठ नाट्य प्रस्तुति के लिए कला संकाय, डी.ई.आई. को पुरस्कृत किया गया। तीनों भाषाओं अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार क्रमशः कला संकाय, इंजीनियरिंग संकाय और कला संकाय को प्रदान किए गया।

इस आयोजन के निर्णायक मंडल के सदस्य श्री विनय पतसारिया, डॉ. प्रियम अंकित और डॉ. बीना गुप्ता थे। इस नाट्य महोत्सव की संयोजक डॉ. सोनल सिंह, डॉ. दयाल प्यारी सिन्हा और डॉ. नंदिनी रघुवंशी थीं।

विज्ञान दिवस समारोह

दिनांक 28 फरवरी, 2020 को विज्ञान संकाय द्वारा डी.ई.आई. के दीक्षांत सभागार में 'विज्ञान दिवस' मनाया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता डॉ. लीना चंद्रन वाडिया ने अपने व्याख्यान से श्रोताओं को लाभान्वित किया। डॉ. लीना 'ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन' मुंबई में वरिष्ठ फैलो हैं और शिक्षा, अक्षय ऊर्जा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और टिकाऊ कृषि के क्षेत्र में अनुसंधान और नीति क्षेत्र की विशेषज्ञ हैं। उन्होंने आई.आई.एस.सी. बैंगलुरु से भौतिकी में पी–एच. डी. की है। उन्होंने 'एजुकेशन पॉलिसी ऑफ इण्डिया फॉर द कमिंग डिकेड' (आने वाले दशकों के लिए भारत की शिक्षा नीति) विषय पर महत्त्वपूर्ण व्याख्यान दिया। डॉ. लीना चंद्रन वाडिया भारत की 'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति' बनाने वाली अनुसंधान समिति के सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण योगदान देती रही हैं। उन्होंने समिति के सदस्य के रूप में भारत की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार करने में योगदान दिया है। इस समिति का नेतृत्व डॉ. कस्तूरीरंगन ने किया था।

फिट इण्डिया मूवमेंट

फिट इण्डिया मूवमेंट के बैनर तले, 1 मार्च, 2020 को डी.ई.आई. संस्थान में समस्त स्टाफ के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इसके अंतर्गत पुरुषों और महिलाओं के लिए 2000 मीटर दौड़, क्रिकेट मैच, थ्रो–बॉल, रस्साकशी आदि प्रतियोगिताएँ रखी गई जिसमें संस्थान के सदस्यों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के संयोजक श्री एस.डी. सिन्हा, श्री परमप्रीत सिंह और श्री संपूरन सिंह थे। संस्थान के निदेशक प्रो. पी.के. कालड़ा ने विजेताओं को पुरस्कार दिए। प्रतियोगिताओं के दौरान श्री जी.एस. त्यागी, खेल अधिकारी, डी.ई.आई. के साथ–साथ खेल शिक्षक श्री राजन बेदी और श्रीमती राकेश बेदी ने प्रतिभागियों को प्रेरक भाषणों द्वारा प्रोत्साहित किया।

लोहड़ी आनंदोत्सव

प्रत्येक वर्ष की ही भांति इस वर्ष भी दयालबाग़ में लोहड़ी उत्सव पर छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था। यह उत्सव आगरा में रह रहे छात्रों के लिए जितने उल्लास की सृष्टि करता है, उससे कहीं अधिक भारत के कोने–कोने से आकर छात्रावास में रहने वाले छात्रों को उनके जीवन की स्वर्णिम अनुभूतियों के रूप में अविस्मरणीय रहता है। घर से दूर घर की अनूभूति कराता यह त्योहार सुख प्रदान करता है। इसी निमित्त डी.ई.आई. छात्रावास के समस्त छात्रों ने अपने–अपने छात्रावास को पूरी तरह लोहड़ी लोकोत्सव के रंग में रंग दिया था। एक ओर लोहड़ी पर बनने वाले मिष्ठानों में तिल के लड्डू, कचौड़ी आदि ने छात्रों के साथ उपस्थित अतिथियों को भी आनंदित किया, वहीं दूसरी ओर छात्र एवं छात्राओं की उत्साह से भरी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों नृत्य, गीत आदि ने उत्सव के माहौल को चरम पर पहुंचा दिया। गुड़, मूंगफली, तिल का यह त्योहार अपने शिक्षकों के साथ छात्रों द्वारा भरपूर आनंद से मनाया गया।

कला संकाय

- चित्रकला विभाग द्वारा सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें रूस के प्रख्यात कलाकार, विषय विशेषज्ञ श्री विक्टर सेफ्रोनोव ने दिनांक 24 फरवरी से 1 मार्च तक विद्यार्थियों के समक्ष चित्रकला में संयोजन के सिद्धान्तों पर अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने प्रयोगात्मक रूप में छात्रों के समक्ष प्रदर्शित करके संयोजन सिद्धान्त का विश्लेषण भी किया।

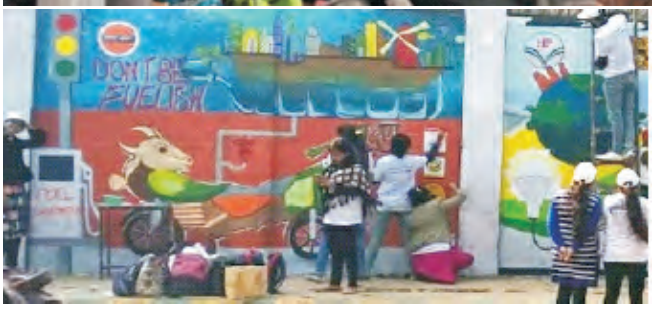

विज्ञान संकाय

● डॉ. अरुण सिकरवार, असिस्टेंट प्रोफेसर जीवविज्ञान, विज्ञान संकाय को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय यू.जी.सी.–एच.आर.डी.सी. ने विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया जहाँ उन्होंने दिनांक 9 मार्च को 117वें अभिविन्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए असिस्टेंट प्रोफेसर्स के समक्ष बहुउपयोगी व्याख्यान 'ए टैल–टेल ऑफ ह्यूमन ब्रेन मेमोरी एण्ड इट्स इम्पॉरटेन्स फॉर ए कॉग्निटिव माइन्ड' प्रस्तुत किया।

शिक्षा संकाय

● प्रो. अर्चना कपूर ने एन.आई.एफ.पी.ए. और आई.एच.सी. के संयुक्त तत्वावधान में 20–21 जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परामर्शीय बैठक में सहभागिता की जिसका विषय था– 'क्रिटिकल रोल ऑफ सैण्ट्रल यूनिवर्सिटीज़ इन ट्रान्सफॉर्मिंग टीचर एजुकेशन।'

● प्रो. नीलू शर्मा संगीत विभाग को तबला वादन के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए संगीत नाटक अकादमी लखनऊ द्वारा अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें माननीया श्रीमती कोकिला बेन पाटिल गवर्नर उत्तर प्रदेश ने 13 फरवरी 2020 को प्रदान किया।

वाणिज्य संकाय

● वाणिज्य संकाय की बी.कॉम. प्रथम वर्ष की छात्रा निहारिका सिंह ने 'हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ सांइस एण्ड टेक्नोलॉजी' के द्वारा आयोजित 'ज्ञान ज्योति 2K20' में काव्य प्रतियोगिता में दिनांक 5 मार्च 2020 को प्रतिभागिता की और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक : ● प्रो. पी.के. कालड़ा
परामर्शक : ● प्रो. जे.के. वर्मा
सम्पादक : ● डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक : ● डॉ. निशीथ गौड़
● डॉ. सूरज प्रकाश
सम्पादन सहयोग : ● डॉ. कविता रायजादा
● श्री अमित जौहरी

समाचार संयोजक :
● श्री अतुल सूरी
● डॉ. रचना गुप्ता
● डॉ. बीरपाल सिंह ठेनुआ
● श्री मयंक कुमार अग्रवाल
● श्रीमती सीता पाठक
● डॉ. अभिमन्यु
● डॉ. राजीव रंजन
● डॉ. आरती सिंह
● श्री मनीष कुमार